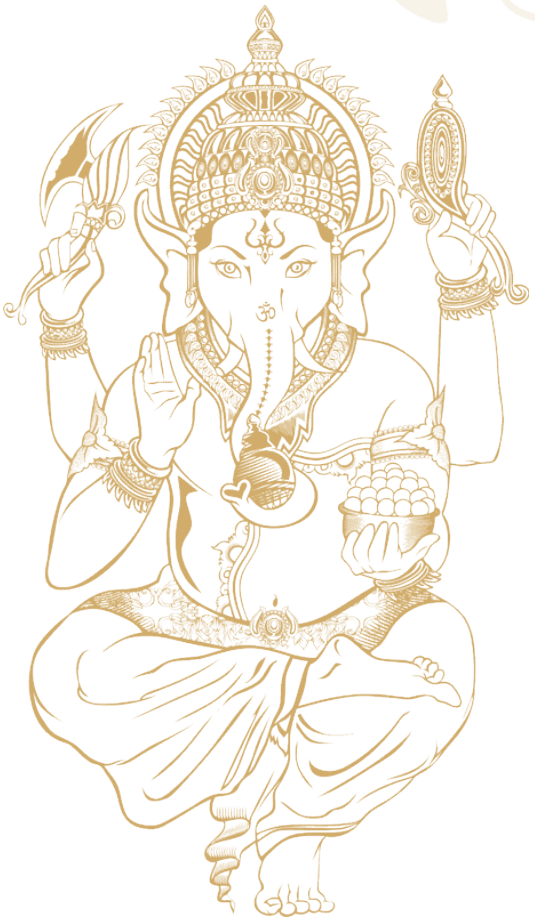

Mr.thakur

Ms.priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120384504

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
4-05/05/1991 :	जन्म तिथि	:	20-21/08/1994
शनि–रविवार :	दिवस	:	शनि–रविवार
कला 06:03:00 :	जन्म समय	:	05:35:00 कला
घटी 59:44:35 :	जन्म समय(घटी)	:	58:06:25 घटी
India :	देश	:	India
Bandra :	स्थान	:	Borivili
19:04:00 उत्तर :	अक्षांश	:	19:14:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व :	रेखांश	:	72:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:38:08 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:38:36 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
06:09:09 :	सूर्योदय	:	06:20:43
19:01:07 :	सूर्यास्त	:	19:02:58
23:44:25 :	लाहिरी अयनांश	:	23:47:10

विंशोत्तरी रवि 5वर्ष 3मा 20दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगळ 3वर्ष 2मा 18दि गुरु	
24/08/2013		17:42:55	मेष	लग्न	कर्क	22:39:24	09/11/2015	
25/08/2031		20:17:43	मेष	सूर्य	सिंह	03:56:28	09/11/2031	
राहु	06/05/2016	28:12:29	धनु	चंद्र	कुंभ	00:32:13	गुरु	27/12/2017
गुरु	30/09/2018	23:51:59	मिथु	मंगळ	मिथु	08:57:07	शनि	09/07/2020
शनि	06/08/2021	25:58:05	मीन	बुध	सिंह	11:52:40	बुध	15/10/2022
बुध	23/02/2024	11:42:11	कर्क	गुरु	तुला	14:27:27	केतु	21/09/2023
केतु	13/03/2025	01:42:40	मिथु	शुक्र	कन्या	19:54:36	शुक्र	22/05/2026
शुक्र	13/03/2028	12:58:53	मक	शनि व	कुंभ	16:06:19	रवि	10/03/2027
रवि	04/02/2029	27:27:53	धनु	राहु व	तुला	24:38:15	चन्द्र	09/07/2028
चन्द्र	06/08/2030	27:27:53	मिथु	केतु व	मेष	24:38:15	मंगळ	15/06/2029
मंगळ	25/08/2031	19:57:39	धनु व	हर्ष व	धनु	29:17:27	राहु	09/11/2031
		22:57:20	धनु व	नेप व	धनु	27:15:07		
		25:23:37	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	01:33:27		

लग्न–चलित

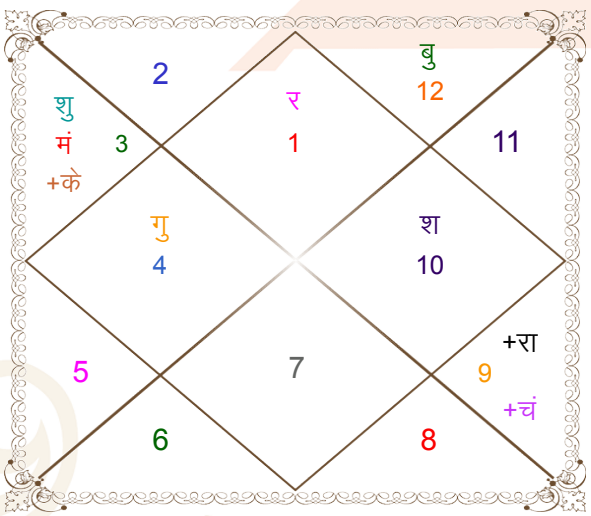

लग्न–चलित

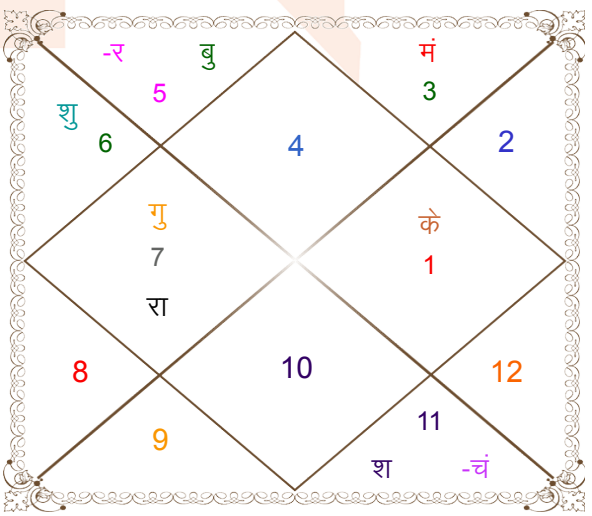

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	––	भाग्य
योनि	मुंगुस	सिंह	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	आह	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**23.50**		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नाहीं है।

Mr.thakur का वर्ग उंदीर है तथा Ms.priya का वर्ग मांजर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.thakur और Ms.priya का मिलान सरासरी है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.thakur मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms.priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.priya कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगळ Mr.thakur कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.thakur तथा Ms.priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।